**आलसी हाथ निर्धनता लाता है,
परन्तु परिश्रमी हाथ धनी बनाता है। नीतिवचन 10:4 – टेड हिल्डेब्रांट और चैटग्ट द्वारा एक
कहावत की कहानी**

एल्म्सवर्थ गांव में, जो पहाड़ियों और जंगलों के बीच बसा हुआ है, दो भाई रहते थे - थॉमस और एली। हालाँकि वे एक ही माता-पिता से पैदा हुए थे और एक ही छत के नीचे पले-बढ़े थे, लेकिन उनकी ज़िंदगी में बहुत अंतर था।

थॉमस को पूरे गांव में एक मेहनती व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। वह सूरज से पहले उठता था, सावधानी से अपनी ज़मीन जोतता था, और धैर्य के साथ अपने पशुओं की देखभाल करता था। उसके खेत हरे-भरे थे, उसका अन्न भंडार भरा हुआ था, और उसका दिल संतुष्ट था।

दूसरी ओर, एली के पास बहाने बनाने का हुनर था। वह पुराने विलो पेड़ के नीचे बैठकर अपनी वीणा बजाता था, और दावा करता था कि मेहनत करने के लिए ज़िंदगी बहुत छोटी है। वह थॉमस की सुबह-सुबह उठने और कठोर हाथों का तिरस्कार करता था, अपने खेतों में काम करने से इनकार करता था, इसके बजाय उसने आवारागर्दी और आराम की ज़िंदगी चुनी। “जब धरती प्राकृतिक रूप से हमें देती है तो मैं खुद को हड्डी तक क्यों काम में लगाऊँ? सूरज उगता और डूबता है, चाहे हम मेहनत करें या न करें।” एली ने शराब और शहद खरीदने के लिए अपनी ज़मीन का एक हिस्सा बेच दिया। “अगर धन का आनंद न लिया जाए तो उसका क्या मतलब है?” उसने खुद से कहा।

एक ठंडी शरद ऋतु की सुबह, थॉमस ने एली को फसल की कटाई में मदद करने के लिए आमंत्रित किया। “गेहूँ पक चुका है, और बारिश आने वाली है,” थॉमस ने आग्रह किया। “मदद करो, और मौसम बदलने से पहले हम काम पूरा कर लेंगे।” एली ने एक आलसी मुस्कान के साथ उसे विदा किया। “तुम बहुत चिंता करते हो, भाई। सूरज को सुखाने दो और हवा को फटकने दो। मैं कल मदद करूँगा।”

कल आया और चला गया, और तूफ़ान भी चला गया। हवाएँ घाटी में गरजती रहीं, और बारिश बरसती रही, जिससे गेहूँ के खेत नष्ट हो गए। थॉमस ने जो बचा सकता था, उसे बचा लिया, लेकिन एली की उपेक्षित फसल बर्बाद हो गई। तूफ़ान के बाद वह बाहर घूमता रहा, और अपनी गीली ज़मीन को निराशा से देखता रहा।

सर्दियों तक थॉमस ने वसंत तक के लिए पर्याप्त अनाज जमा कर लिया था और अतिरिक्त अनाज को गांव के बाजार में बेच भी दिया था। लेकिन एली ने पाया कि उसकी अलमारियां खाली थीं। भूख उसके घर में छाया की तरह घुस आई थी।

शर्मिदा लेकिन हताश होकर वह थॉमस के दरवाजे पर आया। थॉमस ने उसे एक जानकार नज़र से खोला। "अंदर आओ, भाई," उसने विनम्रता से कहा, अपनी रोटी और सूप साझा करते हुए।

"मुझे नहीं लगता था कि इससे कोई फ़र्क पड़ेगा," एली ने आग के पास हाथ गर्म करते हुए कहा। "एक दिन यहाँ, एक दिन वहाँ... मुझे लगा कि मेरे पास समय है।" शर्मिदा एली ने कबूल किया "भाई मैंने अपने हिस्से के खेत बर्बाद कर दिए हैं।"

थॉमस ने धीरे से सिर हिलाया। "क्या तुम्हें याद है कि पिताजी क्या कहा करते थे?" उसने आग की लपटों में देखते हुए पूछा। "आलसी हाथ गरीबी का कारण बनता है, लेकिन मेहनती हाथ अमीर बनाता है।"

एली ने अपना सिर नीचे कर लिया। कहावत उसके दिमाग में घंटी की तरह गूँज उठी।

वसंत ऋतु आते ही एली में एक बदलाव आया। वह थॉमस के साथ सुबह जल्दी उठ गया, फावड़ा और कुदाल लेकर खेतों में चला गया, और बोलने से ज़्यादा सुनने लगा। हालाँकि उसकी मांसपेशियाँ दर्द करने लगीं और दिन लंबे लगने लगे, लेकिन उसके अंदर कुछ नया पनपने लगा- गर्व और उद्देश्य की भावना।

अगली फ़सल तक एली का खेत सुनहरे रंग से चमक उठा। उसने अपने हाथों से जो बोया था, उसे काटा और पहली बार उसका खलिहान भरा हुआ था।

गांव के लोग भाइयों के बारे में बात करने लगे - विपरीत के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे पुरुषों की जोड़ी के रूप में जिन्होंने दिखाया कि बदलाव हमेशा संभव है। और जब भी एल्म्सवर्थ में कोई बच्चा काम के बारे में बड़बड़ाता या अपने कर्तव्यों से मुंह चुराता, तो उसके माता-पिता मुस्कुराते और थॉमस, एली और शाश्वत सत्य की कहानी सुनाते: "आलसी हाथ गरीबी का कारण बनता है, लेकिन मेहनती हाथ अमीर बनाता है।"